Semester I , Unit II

"Strategies for Developing Language Competencies"

परिचय - शिक्षा का जीवन से घनिष्ठ सम्बन्ध है। मनुष्य को समाज में रहने के लिए, जीवनयापन करने के लिए व स्वयं का जीवन विकास के लिए विशेष दक्षताओं की आवश्यकता होती है।

- गुड के अनुसार - " वे कौशल संकल्पनाएं एवं अभिवृत्तियां जो कार्य करने वाला व्यक्ति प्रदर्शित करता है, जो किसी व्यवसाय या विशिष्ट कार्य से सम्बन्धित होती है, दक्षता कहते हैं"

Good (1973), " Competency as those skills, concepts and attitudes presented by all workers regardless of their accupation or specific jobs."

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) ने कहा :-

"प्रत्येक बालक गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करते हुए उन आधारभूत क्षमताओं का विकास करे जो कहीं न कहीं उसके जीवन में उपयोगी हो एवं विकास के लिए अनिवार्य हो।"

- समाज व व्यक्ति शिक्षा से कुछ अपेक्षा रखता है, जिससे समाज व व्यक्ति आवश्यकताओं की पूर्ति हो सकती है। यहां से दक्षता

आधारित शिक्षण की आवश्यता महसूस की गयी। दक्षता आधारित शिक्षण 'कार्य' पर बल देता है। उदाहरणार्थ - एक शिक्षक को ज्ञात है कि शिक्षण को प्रभावी कैसे बनाना है। दक्षता आधारित शिक्षण की निम्नलिखित विशेषताएँ निहित है —

- ज्ञान की उपलब्धि (Acquisition of Knowledge)
- अनुप्रयोग की योग्यता (Ability to apply)
- अनुप्रयोग हेतु वांछित कौशल का विकास — (Development of Needed Repertoise or Critical Behaviour and Skills)

"शिक्षा जो छात्रों की विशिष्ट दक्षताओं की प्राप्ति पर केन्द्रित हो, दक्षता आधारित शिक्षण है।"

दक्षता में तीन बिन्दुओं का समावेश है —

1) कार्य को प्रभावी ढंग से पूर्ण करना (To do work effectively)

2) सक्षमता से कार्य को करना (To do work with capability)

3. कार्य की मात्रा निर्धारित समय में (Efficiency to do work).

कौशल (Skills) - "किसी कार्य को पूर्णता प्रदान करने हेतु उस कार्य से सम्बन्धित जितनी भी विशिष्ट क्रियाएँ होती है, उन्हें ही कौशल कहा जाता है।

Scanned by TapScanner